

बेंगलुरु की बेल्लानदुर झील पर धुएँ का आवरण : पर्यावरण मंत्रालय चर्चाग्रस्त

सन्दर्भ :

17 फरवरी को बेंगलुरु की बेल्लानदुर झील के आस पास बखिरे कचरे में आग लगाने के बाद यह आग बुरी तरह से भड़क गई और इसके कारण झील के ऊपर धुएँ का गुबार छा गया । पर्यावरण मंत्रालय इसकी जाँच के आदेश दे चुका है ।

प्रमुख बदि :

- कूड़े के ढेर में आग लगने के पश्चात बेल्लानदुर झील में धुएँ का आवरण छा गया ।
- यद्यपि इस आग पर डेढ़ घंटे में ही नियंत्रण कर लिया गया परन्तु वह क्षेत्र कुछ समय के लिए धुएँ के आवरण से आच्छादित हो गया था।
- नवासियों ने बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike -BBMP) के अधिकारियों द्वारा कूड़े की डंपिंग को रोकने के लिए अपनाए गए भावुक (lackadaisical) रवैये को जमिंदार ठहराया ।
- कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा कचरे की डंपिंग को रोकने के लिए बीबीएमपी, बंगलोर जल आपूर्ति, सीवेज बोर्ड तथा अन्य एजेंसियों को संकेत जारी किये गए हैं।
- कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निकाय इस क्षेत्र में गंदा पानी साफ करने के संयंत्रों (sewage treatment plants) की जाँच करने की प्रक्रिया में कार्यरत है ।
- यह झील झाग और जहरीले धुएँ के कारण पछिले एक वर्ष से चर्चा का विषय बनी हुई है।
- हालाँकि, पर्यावरण मंत्रालय ने इस घटना की जाँच का आदेश दिया है तथा पर्यावरण मंत्री ने कहा है जल्दी ही इस जांच की रिपोर्ट आ जाएगी तब यह देखा जा सकेगा कि आग लगने के क्या कारण थे ।

पृष्ठभूमि:

आम तौर पर झील के आस पास बखिरे कचरे में आग लगायी जाती है लेकिन इसके चलते गुरुवार (16 फरवरी) शाम झील के चारों ओर और इसके नचिले हिस्से में धुआँ फैलने से वहाँ के नवासी और मोटरवाहन चालक भयभीत हो गये । हालाँकि दो घंटे में आग को बुझा लिया गया । कर्नातु कुछ घंटे के लिये इलाके में धुएँ का गुबार छा गया था ।

वहाँ के नवासियों ने बृहद् बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के अधिकारियों पर बरसते हुए कचरा नपिटारे के इस अनुचित तरीके पर रोक लगाने की मांग की थी ।